

निम्नलिखित में से किन्हीं भी दो पर लघु टिप्पणी लिखिए :

- (a) द्वितीय विश्व युद्ध के कारण  
 (b) अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का नारीवादी परिप्रेक्ष्य  
 (c) कैनेथ वाल्टज का यथार्थवाद  
 (d) पराश्रय सिद्धांत।

18/65/18

(Evening)

(Friday)

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 4943A

Unique Paper Code : 62324407

HC

Name of the Paper : Introduction to International relations

Name of the Course : B.A. (Prog)-Political Science-CBCS

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— Answer may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt four questions in all.

All questions carry equal marks.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Analyse the main principles of classical realism in the study of International Relations.

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन में परंपरागत यथार्थवाद के प्रमुख सिद्धांतों का विश्लेषण कीजिए।

2. Examine the world systems approach to the study of International Relations as propounded by Immanuel Wallerstein.

इमैन्युल वालरस्टीन द्वारा प्रतिपादित अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन की विश्व व्यवस्था सिद्धांत का परीक्षण कीजिए।

3. Explain the main dimensions of 'complex-interdependence' in neo-liberal approach to the study of International Relations.

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के नव उदारवादी उपागम में 'जटिल आत्मनिर्भरता' के विभिन्न आयामों की व्याख्या कीजिए।

4. Examine the main factors responsible for the emergence of Cold War.

शीत-युद्ध के उद्भव के लिए उत्तरदायी प्रमुख कारणों का परीक्षण कीजिए।

5. Analyse the impact of the disintegration of former Soviet Union on International Relations.

पूर्व सोवियत संघ के विघटन का अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।

6. Critically evaluate the relevance of Non-Alignment in twenty-first century.

इक्कीसवीं सदी में गुट-निरपेक्षता की प्रासंगिकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

7. India has emerged as a great force to be reckoned with in the contemporary global politics. Discuss.

माना जा रहा है कि समकालीन वैश्विक राजनीति में भारत एक महान ताकत के रूप में उभरा है। चर्चा कीजिए।

8. Write short notes on any two of the following :

- (a) Causes of the Second world war  
(b) Feminist perspective in International Relations  
(c) Kenneth Waltz on realism  
(d) Dependency Approach.